



CLASS: II
SUBJECT : (HINDI)
CHAPTER NUMBER: 16
TOPIC : बरगद और हाथी
**SUB TOPIC : प्रस्तवना , आदर्श पठन ,
कठिन शब्द**

CHANGING YOUR TOMORROW



बरगद और हाथी

मौखिक

१- श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास

- तालाब
- मदद
- बरगद
- पत्तियाँ
- जंगल
- टहनियाँ
- घमंडी
- सूँड़
- तारीफ़
- मुसीबत

लिखित

1. उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए

(दलदल, घमंडी, माफ़ी, सूँड़, पशु- पक्षियों)

क – पेड़ जंगल के सभी पशु – पक्षियों की मदद करता था।

ख – एक बार जंगल में एक घमंडी हाथी आया।

ग – चींटी हाथी की सूँड़ में घुस गई।

घ – तालाब के नीचे दलदल थी ।

ङ – हाथी ने पेड़ से माफ़ी माँगी।

तालाब के किनारे एक पुराना बरगद का पेड़ था। वह जंगल के सभी पशु पक्षियों की मदद करता था। एक बार दूसरे जंगल से एक घमंडी हाथी आया। उसे पेड़ की तारीफ सुनकर अच्छा नहीं लगा।

उसने पेड़ के पास जाकर कहा, “ अरे बूढ़े पेड़। तुम खड़े-खड़े सबकी मदद कैसे करते हो? मैं भी देखूंगा। उसने पेड़ की पत्तियाँ तोड़कर खाई। टहनियों और डालियों को तोड़ डाला।

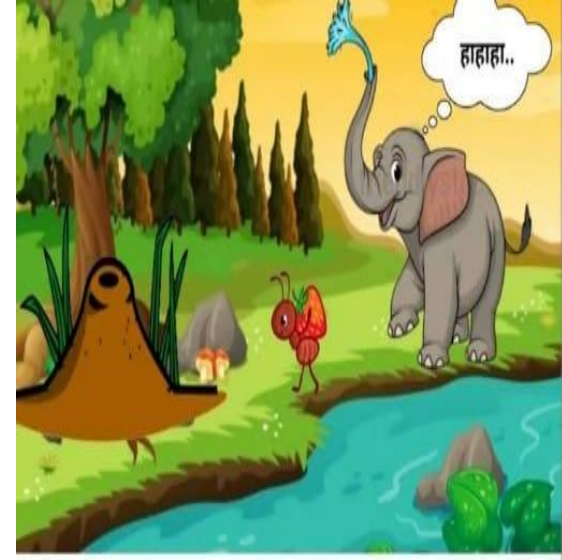
पेड़ ने कहा, “ देखो भाई! तुम्हें जितनी पत्तियाँ खानी हैं खालो पर टहनियों और डालियों को मत तोड़ो। इस पर रहने वाले पशु पक्षी गिर जाएँगे। हाथी नहीं माना।



एक चींटी पेड से निकली और हाथी की सूँड़ में घुस गई। हाथी ने छींका अपने कान फड़फड़ाए। अपनी सूँड़ हिलाई पर चींटी पर कोई असर न हुआ।

वह दर्द से चिल्लाया, “ हाय! मैं मरा। कोई चींटी को बाहर निकालो। “

उसे तालाब के पानी की याद आई। उसने सूँड़ में पानी भरा। पानी को जोर से सूँड़ से बाहर फेंका। पानी के साथ चींटी भी निकल गई।



तालाब के ऊपर तो पानी था लेकिन नीचे दलदल थी। हाथी दलदल में फँस गया। उसने पेड़ से कहा, “पेड़ दादा हमें इस दलदल से निकालिए।”

पेड़ ने हाथी को मुसीबत में देखा तो अपनी सबसे बड़ी डाल नीचे झुका दी। उस डाल को पकड़कर हाथी दलदल से बाहर आ गया। हाथी को समझ आ गया कि सब पेड़ की तारीफ क्यों करते हैं। उसने पेड़ से माफी माँगी और चला गया ।

कठिन शब्द

.टहनियाँ

.किनारा

.तारीफ़

.दलदल

.मुसीबत

.फड़फड़ाना

.दर्द

.माफ़ी

.घमंडी

.असर

सीखने प्रतिफल

बच्चों में शुद्ध उच्चारण तथा भाषाई शुद्धता का विकास हुआ ।

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP